सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि- 10/9/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 24

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

403097

Sub : Sahitya-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा** । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. विषयिणा आरोप्यमाणेन अन्तःकृते निगीर्णे अन्यस्मिन् आरोपविषये सति का लक्षणा भवति ?
(1) शुद्धा उपादानलक्षणा
(2) शुद्धा लक्षणलक्षणा
(3) सारोपा
(4) साध्यवसाना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. कवित्वबीजरूपः संस्कारविशेषः कथ्यते –
(1) शक्तिः (2) निपुणता
(3) अभ्यासः (4) प्रवृत्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

3. साध्यरूपः वस्तुधर्मः अस्ति –
(1) जातिः (2) गुणः
(3) क्रिया (4) द्रव्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम् । अत्र 'अतादृशि' इति पदम् अर्थं व्यनक्ति
(1) वाच्यादतिशायिनि
(2) वाच्यादनतिशायिनि
(3) गुणालङ्कारयुक्तम्
(4) अवरम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

5. अतक्षा 'तक्षा' इत्यत्र सम्बन्धोऽस्ति –
(1) स्व–स्वामिभाव सम्बन्धः
(2) अवयवावयविभाव सम्बन्धः
(3) तादर्थ्यसम्बन्धः
(4) तात्कर्म्य – सम्बन्धः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. काव्यप्रकाशस्य मङ्गलाचरणे 'जयति' इति पदेन कोऽर्थ आक्षिप्यते –
(1) नमस्कारः (2) विजयः
(3) आशीर्वादः (4) वस्तुनिर्देशः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

7. "शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं त्ववरं स्मृतम्' अत्र 'अव्यङ्ग्यं' इत्यस्य अर्थः अस्ति –
(1) वाच्यार्थरहितम्
(2) प्रतीयमानार्थरहितम्
(3) स्फुटप्रतीयमानार्थरहितम्
(4) लक्ष्यार्थरहितम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. 'तात्पर्यार्थो विशेषवपुरपदार्थोऽपि वाक्यार्थः समुल्लसति' इति केषां मतम् ?
(1) अभिहितान्वयवादिनाम्
(2) अन्विताभिधानवादिनाम्
(3) प्रभाकरमिश्रादीनाम्
(4) वैयाकरणादीनाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. 'सामर्थ्यम्' इति विशेषस्मृतिहेतोरुदाहरणमस्ति –
(1) देवस्य पुरारातेः ।
(2) मधुना मत्तः कोकिलः ।
(3) पातु वो दयितामुखम् ।
(4) सर्वं जानाति देवः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. मातर्गृहोपकरणमद्य खलु नास्तीति साधितं त्वया ।
तद् भण किं करणीयमेवमेव न वासरः स्थायी ।।
अत्र कस्य व्यञ्जकत्वं प्रतिपादितम् ?
(1) वाच्यस्य (2) लक्ष्यस्य
(3) व्यङ्ग्यस्य (4) तात्पर्यस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. 'वाच्य एव वाक्यार्थ' इति मतमस्ति –
(1) वैयाकरणानाम् (2) आलङ्कारिकाणाम्
(3) वेदान्तिनाम् (4) मीमांसकानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. 'मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्' अत्र तद्योगे इति पदेन आशयोऽस्ति –

(1) मुख्यार्थयोगे (2) लक्ष्यार्थयोगे
(3) रूढियोगे (4) प्रयोजनयोगे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. मम्मटेन शब्दस्य के त्रयः भेदाः उक्ताः ?

(1) वाच्यः, लक्ष्यः, व्यङ्ग्यः
(2) जातिः, गुणः, क्रिया
(3) वाचकः, लाक्षणिकः, व्यञ्जकः
(4) रूढः, यौगिकः, योगरूढः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. "तद्भूर्लाक्षणिकः" इत्यत्र तद्भूः अस्य कोऽर्थः ?

(1) तस्य भूमिः (2) तदाश्रयः
(3) तस्य लक्षणम् (4) तस्य शब्दः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. अतिपृथुलं जलकुम्भं गृहीत्वा समागतास्मि सखि त्वरितम् ।
श्रमस्वेदसलिलनिःश्वासनिःसहा विश्राम्यामि क्षणम् ।।
अत्र चौर्यरतगोपनं व्यज्यते –

(1) प्रकरणवैशिष्ट्येन (2) बोद्धव्यवैशिष्ट्येन
(3) वक्तृवैशिष्ट्येन (4) देशवैशिष्ट्येन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. 'कुन्ताः प्रविशन्ति' इति उदाहरणमस्ति –

(1) उपादान–लक्षणायाः
(2) लक्षण–लक्षणायाः
(3) सारोपा–लक्षणायाः
(4) साध्यवसाना–लक्षणायाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. आनन्त्याद् व्यभिचाराच्च कुत्र संकेतः कर्तुं न युज्यते ?

(1) जातौ (2) गुणे
(3) व्यक्तौ (4) क्रियायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. काव्यप्रकाशे उल्लिखिते 'गौरनुबन्ध्यः' इति प्रयोगे उपादानलक्षणां स्वीकरोति –

(1) मम्मटः (2) मुकुलभट्टः
(3) आनन्दवर्धनः (4) वामनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. अधोलिखितानां वाक्यानां संयोगादिभिः सह सुमेलनं कुरुत –

क.	स्थाणुं भज भवच्छिदे	i.	अर्थः
ख.	पातु वा दयितो मुखम्	ii.	विप्रयोगः
ग.	चित्रभानुर्विभाति	iii.	औचित्यम्
घ.	अशंखचक्रो हरिः	iv.	कालः

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iii	iv	i
(2)	iii	iv	ii	i
(3)	i	iii	iv	ii
(4)	i	iv	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. ध्वन्यालोकानुसारं काव्यात्मरूपस्य सहृदयश्लाघ्यस्य अर्थस्य भेदौ स्मृतौ –

(1) वाचकवाच्यौ (2) वाच्यलक्ष्यौ
(3) लक्ष्यव्यङ्ग्यौ (4) वाच्यप्रतीयमानौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. अर्थस्य व्यञ्जकत्वे कस्य सहकारिता भवति ?

(1) तच्छब्दस्य (2) तदर्थस्य
(3) तद्भावस्य (4) तद्वक्तुः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. ध्वन्यालोकस्य मङ्गलपद्ये इष्टदेवस्य स्वरूपं स्मृतम् –

(1) रौद्ररसाभिव्यञ्जकम्

(2) शृंगाररसाभिव्यञ्जकम्

(3) शान्तरसाभिव्यञ्जकम्

(4) वीररसाभिव्यञ्जकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. अङ्गनासु लावण्यमिव महाकवीनां वाणीषु विभाति ?

(1) वाच्यार्थः (2) प्रतीयमानार्थः

(3) लक्ष्यार्थः (4) नेयार्थः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. प्रतीयमानार्थः केवलं वेद्यते –

(1) मीमांसकैः (2) नैयायिकैः

(3) काव्यतत्त्वज्ञैः (4) वैयाकरणैः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. 'भ्रम धार्मिक विश्रब्धः स शुनकोऽद्य मारितस्तेन' इत्यत्र अस्ति –

(1) वाच्यविधिरूपं – प्रतीयमानं प्रतिषेधरूपम्

(2) वाच्यप्रतिषेधरूपं – प्रतीयमानं विधिरूपम्

(3) वाच्यविधिरूपं – प्रतीयमानम् अनुभयरूपम्

(4) वाच्यप्रतिषेधरूपं – प्रतीयमानम् अनुभयरूपम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. 'न सम्भवत्येव ध्वनिर्नामापूर्वः कश्चिदिति' विकल्पोऽस्ति –

(1) अभाववादिनाम्

(2) भक्तिवादिनाम्

(3) अलक्षणीयतावादिनाम्

(4) ध्वनिवादिनाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. "सुवर्ण पुष्पां पृथिवीं चिन्वन्ति पुरुषास्त्रयः ।
शूरश्च कृतविद्यश्च यश्च जानाति सेवितुम् ॥"
आनन्दवर्धनानुसारम् उदाहरणमिदमस्ति –

(1) अविवक्षितान्यपरवाच्यस्य

(2) विवक्षितान्यपरवाच्यस्य

(3) अविवक्षितवाच्यस्य

(4) विवक्षितवाच्यस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. शब्दार्थशरीरं तावत् काव्यं तद् व्यतिरिक्तः कोऽयं ध्वनिर्नाम ?
इति विकल्पमस्ति –

(1) प्रथमाभाववादिनाम्

(2) अलक्षणीयतावादिनाम्

(3) तृतीयाभाववादिनाम्

(4) भक्तिवादिनाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. कथं ध्वनिः भक्त्या एकत्वं न बिभर्ति ?

(1) कालभेदाद् (2) रूपभेदाद्

(3) अर्थभेदाद् (4) गुणभेदाद्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. शक्रानुसारं नाट्यकर्मणः ग्रहणे प्रयोगे धारणे च के शक्ताः ?

(1) ऋषयः (2) देवताः

(3) प्रजाजनाः (4) लोकपालाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. नाट्यवेदनिर्माणार्थं ब्रह्मा यजुर्वेदात् किं जग्राह ?

(1) अभिनयम् (2) गीतम्

(3) पाठ्यम् (4) रसान्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. व्यङ्ग्यमर्थं प्रत्यादृतो जनो पूर्वं यत्नवान् भवति –

(1) तात्पर्यार्थे (2) वाच्यार्थे

(3) लक्ष्यार्थे (4) व्यङ्ग्यार्थे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

33. परिगृह्य प्रणम्याथ ब्रह्मा विज्ञापितो मया ।
अथाह मां सुरगुरुः कैशिकीमपि योजय ।।
अत्र 'सुरगुरुः' अस्ति –

(1) बृहस्पतिः (2) इन्द्रः
(3) ब्रह्मा (4) नन्दिकेश्वरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. मण्डपनिर्माणे नाट्यशास्त्रे किं न गण्यते ?

(1) चतुरश्रः (2) वर्तुलः
(3) त्र्यश्रः (4) विकृष्टः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. ब्रह्मणा भाण्डनामकवाद्यस्य वादनार्थे कः नियुक्तः ?

(1) शिष्यैः सह स्वातिः
(2) गन्धर्वैः सह नारदः
(3) देवसेनया सह मागधः
(4) कलभया सह सुपुष्कलः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. नाट्यप्रयोगपरितोषितः वरूणः भरतसुतान् किं दत्तवान् ?

(1) भृङ्गारम् (2) कुटिलकम्
(3) मुकुटम् (4) सिंहासनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. 'प्रोक्तवान् द्रुहिणं गत्वा सभायान्तु कृताञ्जलिः ।'
अत्र 'द्रुहिणम्' इत्यस्य अर्थः वर्तते –

(1) शिवम् (2) इन्द्रम्
(3) ब्रह्माणम् (4) भरतम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. उद्विग्नचेतसां कृते नाट्यमस्ति ?

(1) स्थैर्यम् (2) धृतिः
(3) धार्ष्ट्यम् (4) विलासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. अधोलिखितेषु असत्यमस्ति –

(1) शृंगारात् – हास्यरसस्योत्पत्तिः भवति
(2) रौद्रात् – करुणरसस्योत्पत्तिः भवति
(3) वीरात् – रौद्ररसस्योत्पत्तिः भवति
(4) बीभत्सात् – भयानकरसस्योत्पत्तिः भवति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. नाट्यशास्त्रानुसारं बीभत्स–रसस्य देवता अस्ति –

(1) महाकालः (2) कालदेवः
(3) महेन्द्रः (4) ब्रह्मदेवः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. नाट्यमण्डपप्रमाणे सूत्रप्रसारणसमये 'त्रिभागच्छिन्नया' रज्ज्वा किं विधीयते ?

(1) राष्ट्रकोपः (2) स्वामिनो मरणम्
(3) प्रयोक्तुर्नाशः (4) शुभ–शकुनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. स्तम्भः, स्वेदः रोमाञ्चः, वेपथुः च कीदृशाः भावाः सन्ति ?

(1) स्थायिभावाः (2) सात्त्विकभावाः
(3) सञ्चारिभावाः (4) प्रभावाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. कीदृशं रङ्गशीर्षं प्रशस्यते ?

(1) कूर्मपृष्ठम् (2) मत्स्यपृष्ठम्
(3) शुद्धादर्शतलाकारम् (4) वर्तुलाकारम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. नाट्यशास्त्रानुसारेण अभिनयाः कति भवन्ति ?

(1) चत्वारः (2) पञ्च
(3) सप्त (4) अष्टौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

45. नाट्यशास्त्रकारस्य मतेन गानं कतिविधम् ?
(1) सप्तविधम् (2) त्रिविधम्
(3) द्विविधम् (4) पञ्चविधम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. सुमेलनं कुरुत –

क.	रसः	i.	विस्मयः
ख.	सात्त्विको भावः	ii.	अद्भुतः
ग.	स्थायी भावः	iii.	विषादः
घ.	व्यभिचारि भावः	iv.	स्वेदः

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iv	iii	i
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	i	ii	iii	iv
(4)	ii	iv	i	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. नाट्यशास्त्रानुसारं विस्तरेण उपदिष्टानाम् अर्थानां समासेन निबन्धः उच्यते –
(1) भाष्यम् (2) संग्रहः
(3) विषयः (4) निबन्धनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. नाट्यशास्त्रे आवन्त्यादयः प्रवृत्तयः सन्ति –
(1) पञ्च (2) षट्
(3) सप्त (4) अष्टौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. अवनद्धम् आतोद्यमस्ति –
(1) ततम् (2) तालः
(3) पौष्करम् (4) वंशम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. दशरूपके धनिकस्य टीका अस्ति –
(1) नृसिंह टीका (2) अवलोक टीका
(3) चन्द्रिका टीका (4) बहुरूपमिश्र टीका
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. तदप्राप्तौ व्यापारोऽतित्वरान्वितः कथितः –
(1) प्रयत्नः (2) प्राप्त्याशा
(3) आरम्भः (4) नियताप्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. एकान्वये सति अन्तरैकार्थसम्बन्धः उच्यते –
(1) अवस्था (2) अर्थप्रकृतिः
(3) सन्धिः (4) इतिवृत्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. रूपाणां भेदकतत्त्वं भवति –
(1) अङ्कः, संवादः, रसः
(2) रसः, नेता, वस्तु
(3) वस्तु, नेता, रङ्गमञ्चः
(4) रसः, कथोपकथनम्, अङ्कः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. अधोलिखितेषु प्रतिमुखसन्धेः भेदोऽस्ति –
(1) उपक्षेपः (2) समाधानम्
(3) विलोभनम् (4) विलासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. गर्वाभिमानादिष्टेऽपि अनादरक्रिया कथ्यते –
(1) कुट्टमितम् (2) बिब्बोकः
(3) किलकिञ्चितम् (4) मोट्टायितम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. 'मत्तवारणी' रङ्गपीठस्य कस्मिन् भागे कर्त्तव्या ?
(1) उपरि (2) अधः
(3) अग्रे (4) पश्चात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. अर्थानां सम्प्रधारणमुच्यते –
(1) परिन्यासः (2) युक्तिः
(3) समाधानम् (4) परिक्रिया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. 'वज्रं' कस्य सन्धेः अङ्गत्वेन परिगणितम् ?
(1) मुखसन्धेः (2) प्रतिमुखसन्धेः
(3) गर्भसन्धेः (4) विमर्शसन्धेः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. 'गतिः सधैर्या दृष्टिश्च सस्मितं वचः' इति भवन्ति
(1) विलासे (2) माधुर्ये
(3) शोभायाम् (4) ललिते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. 'लोकोत्तराह्लादजनकज्ञानगोचरता' इति निर्वचनमस्ति –
(1) आह्लादस्य (2) रमणीयतायाः
(3) लोकोत्तरस्य (4) गोचरतायाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. पण्डितराजजगन्नाथमते 'काव्यघटनानुकूलशब्दार्थोपस्थितिः' इत्युच्यते –
(1) रमणीयता (2) व्युत्पत्तिः
(3) प्रतिभा (4) घटना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. यत्र व्यङ्ग्यमप्रधानमेव सच्चमत्कारणं तद् –
(1) उत्तमोत्तमकाव्यम् (2) उत्तमकाव्यम्
(3) मध्यमकाव्यम् (4) अधमकाव्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. भावानां लवैः अल्परसो यत्र सूचितः
(1) नर्मः (2) नर्मगर्भः
(3) नर्मस्फिञ्जः (4) नर्मस्फोटः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

64. 'वेदशास्त्रपुराणलक्षणस्येव काव्यलक्षणस्यापि शब्दनिष्ठतैवोचिता' पंक्तिरियमुक्ता –
(1) जगन्नाथेन (2) राजशेखरेण
(3) विश्वनाथेन (4) मम्मटेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. नित्यानित्यवस्तुविचारजन्मा विषयविरागाख्योऽस्ति –
(1) विप्रलम्भः (2) निर्वेदः
(3) करुणः (4) विस्मयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. कदर्यवस्तुविलोकनजन्मा विचिकित्साख्यश्चित्तवृत्तिविशेषोऽस्ति –
(1) जुगुप्सा (2) ईर्ष्या
(3) अमर्षः (4) निर्वेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. 'तल्पगताऽपि च सुतनुः श्वासासङ्गं न या सेहे ।
सम्प्रति सा हृदयगतं प्रियपाणिं मन्दमाक्षिपति ।।'
–इत्यत्र रसगंगाधरदृष्ट्या इत्याख्यः स्थायि – भावोऽभिव्यज्यते –
(1) अलक्ष्यक्रमतया (2) संलक्ष्यक्रमतया
(3) असुन्दरत्वेन (4) सुन्दरत्वेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. जगन्नाथमते मृतत्वज्ञाने सत्यपि देवताप्रसादादिना पुनरुज्जीवनज्ञानं कथञ्चित् स्यात्, तदा भवति –
(1) करुणरसः
(2) करुण–विप्रलम्भ रसः
(3) विप्रलम्भशृंगारः
(4) संयोगशृंगारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. जगन्नाथेन आत्मस्थः परसंस्थश्चेति भेदद्वयं मतम्

(1) शृंगारस्य (2) करुणस्य

(3) वीरस्य (4) हास्यस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. वक्त्रनेत्रकपोलश्चेदुत्फुल्लैरूपलक्षितः किञ्चिल्लक्षितदन्तश्च तदा किमिष्यते ?

(1) स्मितम् (2) हसितम्

(3) उपहसितम् (4) अपहसितम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. रतेः संयोगकालावच्छिन्नत्वे को रसः ?

(1) शान्तरसः (2) हास्यरसः

(3) विप्रलम्भ-शृङ्गारः (4) संयोगशृङ्गारः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. विद्याजन्मवंशयोः परिशुद्धिं प्रतिपादयन् जगन्नाथेन कः वन्दितः ?

(1) कृष्णभट्टः (2) वीरभट्टः

(3) पेरुभट्टः (4) विद्याधरः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. 'चराचरजगज्जाल-सदनं वदनं तव।
गलद्गगनगाम्भीर्यं, वीक्ष्यास्मि हतचेतना ॥'
पद्येऽस्मिन् ध्वनिरस्ति -

(1) वीररसस्य

(2) रौद्ररसस्य

(3) अद्भुतरसस्य

(4) शान्तरसस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. रसगंगाधरकारमते परब्रह्मास्वादात् समाधेः विलक्षणा इयम् -

(1) शक्तिः (2) रसचर्वणा

(3) प्रतिभा (4) चमत्कारिता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. पण्डितराजजगन्नाथेन 'उदितं मण्डलं विधोः' इत्युदाहरणेन मम्मट-प्रतिपादिते काव्यलक्षणे स्थितस्य कस्य पदस्य खण्डनं कृतम् ?

(1) 'काव्यम्' इति पदस्य

(2) 'अदोषौ' इति पदस्य

(3) 'सगुणौ - सालंकारौ' इत्यनयोः पदयोः

(4) 'शब्दार्थौ' इति पदस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. चित्रमीमांसानुसारं "वागर्थाविव सम्पृक्तौ" - इत्यादौ क ध्वनिः ?

(1) वस्तु-ध्वनिः

(2) भाव-ध्वनिः

(3) रस-ध्वनिः

(4) अलङ्कार-ध्वनिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. जगन्नाथमते देवतामहापुरुषप्रसादादिजन्यम् अदृष्टं किमुच्यते ?

(1) काव्यप्रयोजनम्

(2) प्रतिभायाः कारणम्

(3) काव्यहेतुः

(4) काव्यप्रकारः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

78. भावप्रसङ्गे प्ररूढत्वं किं कथ्यते ?

(1) बहुविभावजन्यत्वम्

(2) अल्पविभावजन्यत्वम्

(3) रसाभासजन्यत्वम्

(4) न्यूनविभावजन्यत्वम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. 'चित्रं महानेष नवावतारः क्व कान्तिरेषाऽभिनवैव भङ्गिः ।

लोकोत्तरं धैर्यमहो ! प्रभावः काप्याकृतिर्नूतन एष सर्गः ।।'

इत्यत्र जगन्नाथेन गुणीभूतत्वमुक्तम् –

(1) भक्तेः (2) विस्मयस्य

(3) धैर्यस्य (4) शौर्यस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. काव्य–मीमांसानुसारम् 'ऋचः' इत्युच्यन्ते

(1) विवृतक्रियातन्त्राः

(2) अर्थव्यवस्थितपादाः

(3) छन्दसां प्रतिपादयित्र्यः

(4) स्तुतिनिन्दाविनियोगादिविधिबोधिकाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. 'स्मृतापि तरुणातपं करुणया .... ।' इत्यादि रसगंगाधरस्य मंगलाचरणे कयोः द्वयोः अलङ्कारयोः सांकर्यमस्ति ?

(1) उपमाव्यतिरेकयोः

(2) रूपकातिशयोक्त्योः

(3) व्यतिरेकातिशयोक्त्योः

(4) उपमारूपकयोः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

82. वेदाङ्गेषु स्थानकरणप्रयत्नादिभिर्वर्णानां निष्पत्तेः निर्णयिनी भवति –

(1) नाटिका (2) गोष्ठी

(3) प्रस्तावना (4) शिक्षा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. राजशेखरमतेन वेदस्योपकारकत्वात् सप्तममङ्गम् अस्ति –

(1) नाट्यम् (2) कल्पः

(3) अलङ्कारः (4) गुणः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. काव्यमीमांसानुसारं का नाम पद्धतिः ?

(1) यथासम्भवमर्थस्य टीकनम्

(2) विषमपदभञ्जिका

(3) सूत्राणां सकलसारविवरणम्

(4) सूत्रवृत्तिविवेचनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. स्वपक्षस्य अपरिग्रहीत्री परपक्षस्य दूषयित्री भवति

(1) वार्ता

(2) दण्डनीतिः

(3) वितण्डा

(4) शक्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. 'वेदोपवेदात्मा सार्ववर्णिकः पञ्चमो नाट्यवेदः' इत्युक्तवान् –

(1) द्रौहिणिः (2) मङ्गलः

(3) यायावरीयः (4) कौटिल्यः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. यदपरं नृत्तवाद्यादिकमेषा चक्रे सा वृत्तिः भवति –

(1) सात्त्वती (2) कैशिकी

(3) भारती (4) पाञ्चाली

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. काव्यमीमांसोक्तदिशा रीतिरिति प्रोच्यते –

(1) विशिष्टा पदरचना

(2) समासविन्यासक्रमः

(3) वचनविन्यासक्रमः

(4) विलासविन्यासक्रमः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. सरस्वती स्वस्तिमता चेतसा कस्मै महर्षये निभृतं सच्छन्दांसि वचांसि प्रायच्छत् ?

(1) प्राचेतसाय (2) वेदव्यासाय

(3) काश्यपाय (4) शुक्राय

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. वामनाभिमतः काव्यस्यात्मा अस्ति –

(1) रीतिः (2) उपमा

(3) आरभटी (4) भारती

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. काव्यमीमांसानुसारं सुमेलनं कुरुत –

क. संस्कृतम् i. बाहू

ख. प्राकृतम् ii. जघनम्

ग. अपभ्रंशः iii. पादौ

घ. पैशाचम् iv. मुखम्

	क	ख	ग	घ
(1)	iii	ii	i	iv
(2)	ii	i	iii	iv
(3)	iv	i	ii	iii
(4)	iv	ii	i	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. यत्र सधर्मस्य वस्तुनः प्रतिबिम्बनं भवति, तत्र –

(1) उपमा (2) दृष्टान्तः

(3) निदर्शना (4) प्रतिवस्तूपमा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. शब्दार्थयोरस्थिरा धर्मा भवन्ति –

(1) अनुप्रासोपमादयः (2) रत्यादयः

(3) माधुर्यादयः (4) च्युतसंस्कारादयः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. अलङ्कारशास्त्रस्य उपलब्धः प्रथमो ग्रन्थो वर्तते –

(1) काव्यादर्शः (2) काव्यप्रकाशः

(3) काव्यालङ्कारः (4) काव्यमीमांसा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. 'व्यक्तः स तैर्विभावाद्यैः स्थायी भावो रसः स्मृतः ।' इति केनोक्तम् ?

(1) भरतमुनिना (2) भामहेन

(3) विश्वनाथेन (4) मम्मटेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. क्षेमेन्द्रानुसारम् औचित्यस्य प्रतिष्ठापकः कः ?

(1) विष्णुः (2) शिवः

(3) ब्रह्मा (4) भामहः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. कीदृशस्य काव्यस्य स्थिरं जीवितमौचित्यमस्ति ?

(1) अलङ्कृतस्य (2) रससिद्धस्य

(3) गुणयुक्तस्य (4) भावसिद्धस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. वाच्यातिशयिनि व्यङ्ग्ये भवति –

(1) ध्वनिकाव्यम्

(2) गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यम्

(3) अधमकाव्यम्

(4) अकाव्यम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

99. "अनौचित्याद् ऋतेनान्यद् रसभङ्गस्य कारणम्" – इति कस्मिन् ग्रन्थे प्रतिपादितम् ?

(1) ध्वन्यालोके (2) नाट्यशास्त्रे
(3) काव्यप्रकाशे (4) काव्यालङ्कारे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. काव्यमीमांसाकारस्य मतेन रससम्प्रदायस्य प्रवर्तकः कः ?

(1) भरतमुनिः (2) विश्वनाथः
(3) नन्दिकेश्वरः (4) पराशरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. रसविषये भुक्तिवादस्य प्रवर्तकः कः ?

(1) अभिनवगुप्तः (2) श्रीशङ्कुकः
(3) भट्टलोल्लटः (4) भट्टनायकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद् रसनिष्पत्तिः ।' कस्येदं मौलिकं वचः ?

(1) भरतस्य (2) विश्वनाथस्य
(3) मम्मटस्य (4) वामनस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. क्षेमेन्द्रेण रससिद्धस्य काव्यस्य जीवितं किम् उक्तम् –

(1) व्यङ्ग्यम् (2) वाच्यम्
(3) औचित्यम् (4) माधुर्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. "वक्रोक्तिश्च रसोक्तिश्च स्वभावोक्तिश्च वाङ्मयम् ।" इति कथनं कस्य ?

(1) उद्भटस्य (2) रुद्रटस्य
(3) भोजस्य (4) भामहस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. अभिनवगुप्ताचार्येण रचितं नास्ति –

(1) अभिनवरसमीमांसा
(2) तन्त्रालोकः
(3) अभिनवभारती
(4) काव्यकौतुकविवरणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

106. 'गुणस्फुटत्वसाकल्यं काव्यपाकं प्रचक्षते' इति कथनं कस्यास्ति ?

(1) भामहस्य (2) भरतस्य
(3) वामनस्य (4) कुन्तकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

107. इक्षुक्षीरगुडादीनां माधुर्यस्थान्तरं महत् । तथापि न तदाख्यातुं सरस्वत्यापि शक्यते ।। इति कस्य कथनम् –

(1) वामनस्य
(2) दण्डिनः
(3) आनन्दवर्धनाचार्यस्य
(4) भामहस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

108. 'व्यासदासः' इति कस्य उपनाम अस्ति ?

(1) भोजराजस्य (2) मम्मटस्य
(3) अभिनवगुप्तस्य (4) क्षेमेन्द्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. "सैषा सर्वैव वक्रोक्तिरनयार्थो विभाव्यते ।
यत्नोऽस्यां कविना कार्यः कोऽलङ्कारोऽनया विना ।।"
कारिकेयं केन निगदिता ?

(1) आनन्दवर्धनेन (2) भामहेन
(3) कुन्तकेन (4) मम्मटेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. 'ओजः समासभूयस्त्वमेतद् गद्यस्य जीवितम् ।' इति केनोक्तम् ?

(1) वामनेन (2) क्षेमेन्द्रेण
(3) दण्डिना (4) कुन्तकेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. 'मनोरमाकुचमर्दनम्' इति ग्रन्थस्य रचयिता कः ?

(1) अप्पयदीक्षितः
(2) भट्टोजिदीक्षितः
(3) नागेशभट्टः
(4) पण्डितराजजगन्नाथः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. कवि–कण्ठाभरणग्रन्थस्य रचयिता कः ?

(1) भामहः (2) क्षेमेन्द्रः
(3) कुन्तकः (4) राजशेखरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. 'ईश्वरप्रत्यभिज्ञाविवृतिविमर्शिणी'-टीकायाः लेखकोऽस्ति–

(1) क्षेमेन्द्रः (2) अभिनवगुप्तः
(3) आनन्दवर्धनः (4) जगन्नाथः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. काव्यालङ्कारानुसारं भामहस्य पितुर्नाम किमासीत् –

(1) रक्रिलगोमिन् (2) सोमिलः
(3) उद्भटः (4) कुमारिलभट्टः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. वामनविरचिते काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिग्रन्थे वृत्तिभागस्य नाम अस्ति ?

(1) मन्दाकिनी (2) कविप्रिया
(3) शब्दप्रिया (4) लक्ष्मी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. अभिनवगुप्तपादकृता नाट्यशास्त्रस्य टीकाऽस्ति

(1) काव्यकौतुकविवरणम्
(2) नागेश्वरी
(3) लोचनम्
(4) अभिनवभारती
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. आनन्दवर्धनस्य को नाम ग्रन्थः अलङ्कारशास्त्रे 'नवयुगप्रवर्तकः' इति स्वीक्रियते ?

(1) अर्जुनचरितम् (2) ध्वन्यालोकः
(3) देवीशतकम् (4) तत्त्वालोकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. 'काव्यशोभाकरान् धर्मानलङ्कारान् प्रचक्षते ।' इत्युक्तम् –

(1) दण्डिना (2) भामहेन
(3) उद्भटेन (4) मम्मटेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. अधोलिखितानां सुमेलनं करणीयम् –

क. त्रैलोक्यस्यास्य सर्वस्य भावानुकीर्तनम् — i. वक्रोक्तिः
ख. विशिष्टापदरचना — ii. काव्यम्
ग. वैदग्ध्यभङ्गीभणितिः — iii. रीतिः
घ. इष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली — iv. नाट्यम्

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	ii	i	iii
(2)	iii	ii	i	iv
(3)	iv	iii	i	ii
(4)	iii	iv	ii	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. विद्वद्भिः 'ध्वनिप्रस्थापनपरमाचार्यः' इत्युपाधिना कः विभूषितः ?

(1) आनन्दवर्धनः (2) मम्मटाचार्यः
(3) अभिनवगुप्तः (4) जगन्नाथः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097 403097 403097

121. साहित्यदर्पणाधारेण दोषाणां प्रकाराः सन्ति

(1) चतुर्धा (2) षोढा

(3) सप्तधा (4) पञ्चधा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. विश्वनाथमतानुसारं 'योगेन दलिताशयः' इत्यत्र को दोषः ?

(1) अवाचकत्वम् (2) अनुचितार्थत्वम्

(3) असमर्थत्वम् (4) अप्रतीतत्वम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. 'क्षीरोदजावसति जन्मभुवः प्रसन्नाः' इत्यत्र दोषः अस्ति

(1) क्लिष्टत्वदोषः

(2) अविमृष्ट–विधेयांशत्वदोषः

(3) नेयार्थत्वदोषः

(4) निहतार्थत्वदोषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. 'लक्षणानुसरणेऽप्यश्रव्यं रसानुगुणमप्राप्तगुरूभावान्तलघु च' इति कस्य लक्षणमस्ति ?

(1) प्रतिकूलवर्णतादोषस्य

(2) च्युतसंस्कारदोषस्य

(3) हतवृत्तदोषस्य

(4) अवाचकदोषस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. 'वर्णानां रसानुगुण्यविपरीतत्वम्' इति वर्तते

(1) अनवीकृतत्वदोषः

(2) विद्याविरुद्धत्वदोषः

(3) प्रतिकूलवर्णत्वदोषः

(4) आहतविसर्गत्वदोषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. 'रसापकर्षकाः दोषाः' इति कः उक्तवान् ?

(1) विश्वनाथः (2) मम्मटः

(3) आनन्दवर्धनः (4) अप्पयदीक्षितः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. "तद्गच्छ सिद्ध्यै कुरु देवकार्यम्" अत्र दुःश्रवत्वदोषोऽस्ति –

(1) पदे (2) वाक्ये

(3) रसे (4) पदांशे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. वाक्यान्तरपदानां वाक्यान्तरेऽनुप्रवेशे सति दोषः भवति

(1) गर्भितत्वम्

(2) अस्थानस्थपदत्वम्

(3) वाच्यानभिधानत्वम्

(4) सङ्कीर्णत्वम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. 'अकाण्डे प्रथनम्' इत्यस्य रसदोषस्य उदाहरणमस्ति –

(1) कुमारसंभवे रति विलापः ।

(2) रत्नावल्यां सागरिकायाः विस्मृतिः ।

(3) वेणीसंहारे दुर्योधनस्य भानुमत्या सह शृंगारवर्णनम् ।

(4) वीरचरिते कङ्कणमोचनाय गच्छामि इति राघवस्योक्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. वक्तरि क्रोधसंयुक्ते किं नाम दोषः गुणो भवेत् ?

(1) अनुचितार्थत्वम् (2) क्लिष्टत्वम्

(3) दुष्क्रमत्वम् (4) दुःश्रवत्वम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. व्याकरणलक्षणहीनत्वात् दोषो भवति

(1) अवाचकत्वदोषः

(2) च्युतसंस्कृतित्वदोषः

(3) असमर्थत्वदोषः

(4) पतत्प्रकर्षत्वदोषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

403097

132. ओजोगुणस्य एतेषु रसेषु आधिक्यं भवति –

(1) शृङ्गारहास्यकरुणेषु

(2) वीरबीभत्सरौद्रेषु

(3) शान्ताद्भुतहास्येषु

(4) करुणशान्तशृङ्गारेषु

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. विश्वनाथमतेन दुःश्रवता – दोष-परित्यागात् भवति –

(1) कान्तिः (2) सुकुमारता

(3) समता (4) उदारता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. प्राचीनालङ्कारिकैः 'बहूनामपि पदानामेकपदवद्भासनात्मा' इति कस्य गुणस्य लक्षणं प्रतिपादितम् ?

(1) समतागुणस्य (2) अर्थव्यक्तेः

(3) श्लेषस्य (4) ओजोगुणस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. कविसमयानुसारं समुचितं मेलनं कुरुत –

क.	योषिताम् आस्यमद्यैः विकसति	i.	कुमुदम्
ख.	निशायां विकसति	ii.	अशोकम्
ग.	न स्यात् वसन्ते	iii.	बकुलम्
घ.	योषितां पादाघातात् विकसति	iv.	जातिः

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	iii	i	iv	ii
(3)	ii	iii	i	iv
(4)	iv	i	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. विश्वनाथानुसारं-माधुर्यं क्रमाद् अधिकं भवति –

(1) सम्भोगे – विप्रलम्भे – करुणे शान्ते

(2) करुणे विप्रलम्भे – शान्ते – सम्भोगे

(3) सम्भोगे – करुणे – विप्रलम्भे शान्ते

(4) शान्ते संभोगे – करुणे – विप्रलम्भे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. समासबहुला रीतिरस्ति –

(1) गौडी (2) लाटी

(3) वैदर्भी (4) पाञ्चाली

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. समस्तपञ्चषपदामोजः कान्तिसमन्विताम् ।
मधुरां सुकुमारां च पाञ्चालीं कवयो विदुः ॥
कस्योक्तिरियम् ?

(1) भोजस्य (2) रुद्रटस्य

(3) वामनस्य (4) भामहस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. श्लेषसन्दर्भे अधोऽङ्कितानां सुमेलनं कुरुत –

क.	क्रियासन्ततिः	i.	कौटिल्यम्
ख.	विदग्धचेष्टितम्	ii.	अनुल्बणत्वम्
ग.	अप्रसिद्धवर्णन-विरहः	iii.	क्रमः
घ.	उपपादकयुक्तिविन्यासः	iv.	उपपत्तिः

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iii	iv	i
(2)	i	iv	ii	iii
(3)	iii	i	ii	iv
(4)	iv	ii	i	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

A03097 A03097 A03097

140. 'तडिद्गौरीन्दुतुल्यास्या कर्पूरन्ती दृशोर्मम ।' अत्र 'कर्पूरन्ती' इत्यस्मिन् पदे लुप्तोपमायाः को भेदः ?

(1) धर्मलुप्ता (2) वाचकलुप्ता
(3) धर्मवाचकलुप्ता (4) वाचकोपमेयलुप्ता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. "रामरावणयोर्युद्धं रामरावणयोरिव" इत्यत्र अलंकारोऽस्ति –

(1) व्यतिरेकः (2) उपमेयोपमा
(3) रूपकम् (4) अनन्वयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. यत्त्वन्नेत्रसमानकान्तिसलिले मग्नं तदिन्दीवरम्...। अस्मिन् पद्यांशे कोऽलंकारः ?

(1) उल्लेखः (2) प्रतीपम्
(3) परिणामः (4) अपह्नुतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. विषयी विषयात्मना क्रियार्थश्चेत् कोऽलङ्कारः ?

(1) परिणामः (2) उल्लेखः
(3) अपह्नुतिः (4) दीपकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. अधोऽङ्कितेषु सन्देहालंकारस्य उदाहरणं किम् ?

(1) पङ्कजं पश्यतः कान्तामुखं मे गाहते मनः ।
(2) अयं प्रमत्तमधुपस्त्वन्मुखं वेत्ति पङ्कजम् ।
(3) पङ्कजं वा सुधांशुर्वेत्यस्माकं तु न निर्णयः ।
(4) न पद्मं मुखमेवेदं न भृङ्गौ चक्षुषी इमे ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. 'क्वचित् तु वक्त्राद्यौचित्यादन्यथारचनादयः' अत्र वक्त्रादीत्यादि शब्दात् किम् अपेक्षितम् ?

(1) वृत्ति-वर्णौ (2) शब्दार्थौ
(3) वाच्यप्रबन्धौ (4) धर्मार्थौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. "अग्रे मानो गतः पश्चादनुनीता प्रियेण सा" एतद् उदाहरणम् अस्ति

(1) चपलातिशयोक्तेः
(2) अक्रमातिशयोक्तेः
(3) अत्यन्तातिशयोक्तेः
(4) रूपकातिशयोक्तेः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. दीपकालङ्कारस्य लक्षणम् अस्ति –

(1) वर्ण्यावर्ण्यानां धर्मैक्यम्
(2) वर्ण्यानाभितरेषां वा धर्मैक्यम्
(3) स्यादयोगे योगकल्पनम्
(4) वाक्ययोरेकसामान्ये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. यत्रोपमानोपमेयपरवाक्ययोरेकः समानो धर्मः पृथङ् निर्दिश्यते तत्र अलंकारः भवति –

(1) तुल्ययोगितालङ्कारः
(2) दीपकालङ्कारः
(3) प्रतिवस्तूपमालङ्कारः
(4) प्रतीपालङ्कारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. द्वयोः सदृशवाक्यार्थयोः ऐक्यारोपेऽलङ्कारः भवति ?

(1) उपमेयोपमा (2) निदर्शना
(3) प्रतिवस्तूपमा (4) दृष्टान्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. तापं करोति सोत्कम्पं, ज्वरः किं ? न, सखि ! स्मरः इत्यत्र अपह्नुति-अलंकारस्य भेदोऽस्ति –

(1) हेत्वपह्नुतिः (2) पर्यस्तापह्नुतिः
(3) भ्रान्तापह्नुतिः (4) छेकापह्नुतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

403097

403097

403097